पुस्तकालय व खेल मैदान देश के भविष्य निर्माण की अहम कड़ी : केंद्रीय वन मंत्री यादव

अलवर में कुश्ती - हॉकी के एस्ट्रॉट्रफ के साथ एथलीटों के लिए सिंथेटिक ट्रेक का काम पूरा हुआ

अलवर। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा वन राज्य मंत्री (स्वतंत्रा प्रभार) संजय शर्मा ने आज राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय में 17.20 लाख रुपए की राशि से निर्मित सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण किया। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत युवाओं का देश है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत 2047 में युवा अपनी महती भूमिका निभाकर नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि देश के भविष्य का निर्माण पुस्तकालय और खेल मैदानों से बनता है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए ई-लाइब्रेरियों की स्थापना कराने के साथ-साथ अलवर सांसद खेल उत्सव आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा विकासात्मक कार्यों का शिलान्यास कराने के साथ उन्हें यथाशीघ्र गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि बालक-बालिकाओं को अच्छी शिक्षा मिले तो उनका मानसिक स्वास्थ्य मजबूत होता



केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने राजकीय वाणिज्य महाविद्यालय में 17.20 लाख रुपए की राशि से निर्मित सिंथेटिक बास्केटबॉल कोर्ट का लोकार्पण किया।

- भाजपा सरकार वकासात्मक कार्यों का शिलान्यास कराने के साथ उन्हें यथाशीघ्र गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रही है

है तथा खेदकूद उनके शारीरिक विकास को बल देता है। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने का मंत्र बताते हुए कहा कि महाविद्यालय का जीवन अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ समाज के साथ जुडना है जो चरित्र निर्माण में प्रगाढ करता है। उन्होंने कहा कि अलवर में कुश्ती व हॉकी के एस्ट्रॉट्रफ के साथ एथलीटों के लिए सिंथेटिक ट्रेक का काम पूरा हो गया है। आने वाले समय में खेल सुविधाओं के विस्तार हेतु निरन्तर काम किए जाएंगे। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में स्वच्छ, स्वस्थ एवं ग्रीन अलवर की दिशा में निरन्तर काम करते हुए जिले के चहुंमुखी विकास की परिकल्पना को साकार किया जा रहा है। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सुमनलता अठावाल, उप महापौर अजय पूनिया, जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता, डेयरी चेयरमैन नितिन सांगवान, पूर्व सभापति अजय अग्रवाल, कॉपरेटिव बैंक के उपाध्यक्ष इन्द्र यादव, वाणिज्यि महाविद्यालय की प्रिंसिपल डॉ. मंजु यादव, सतीश यादव, पं. जलेसिंह, जितेन्द्र सैनी, जीतू सैनी, प्रकाश अडीचवाल, मुन्ना शर्मा, लक्ष्मीनारायण गुप्ता, पार्षद नेहा मनचंदा, सुनील यादव, ^ ममता कंवरएवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तीन अवैध हथियार , दो मैगजीन व 13 जिंदा कारतूस बरामद किए

- बाय गांव के सरपंच पर जानलेवा हमले के मामले में वांछित 20 हजार रूपये के इनामी मुख्य आरोपी कपिल को पकड़ा

सिंघाना/झुंझुनूं। पंचायती राज चुनावों से पहले वांछित अपराधियों की धरपकड़ और अवैध हथियारों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत झुंझुनूं पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सिंघाना थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नवलगढ़ क्षेत्र के बाय गांव के सरपंच पर जानलेवा हमले के मामले में वांछित 20 हजार रूपये के इनामी मुख्य आरोपी कपिल उर्फ कपिल पण्डित और उसके साथी मनीष पण्डित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टे, दो मैगजीन और 13 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मुख्य आरोपी कपिल पण्डित के खिलाफ लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार चलाए जा रहे अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेन्द्र सिंह राजावत के मार्गदर्शन तथा बुहाना वृत्ताधिकारी मंजू चौहान के सुपरविजन में यह कार्रवाई की गई। सिंघाना थानाधिकारी पुलिस निरीक्षक सुगन सिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस और डीएसटी प्रभारी हेमराज मीणा की टीम ने संयुक्त रूप से दबिश देकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, 10 अक्टूबर 2026 को सिंघाना थानाधिकारी सुगन सिंह पुलिस जाब्ते के साथ पंचायती राज चुनावों के मद्देनजर गश्त, बदमाशों की निगरानी और बूथ चेकिंग पर रवाना थे। इसी दौरान जिला स्पेशल टीम प्रभारी उपनिरीक्षक हेमराज मीणा से सूचना मिली कि बाय गांव के सरपंच पर रात के समय हुए जानलेवा हमले के मामले में वांछित 20 हजार रूपये का इनामी आरोपी कपिल उर्फ कपिल पण्डित अपने साथियों के साथ ईश्कपुरा की रोही में ढाणा से रोजड़ा जाने वाले रास्ते पर बालाजी मंदिर के पास मौजूद है। सूचना में आरोपियों के पास हथियार होने और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में होने की जानकारी भी दी गई। इसके बाद सिंघाना पुलिस और डीएसटी ने संयुक्त रूप से मौके पर दबिश दी। पुलिस जाब्ते को देखकर दो संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे, लेकिन पुलिस टीम ने पीछा कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक आरोपी ने अपना नाम कपिल उर्फ कपिल पण्डित (23), पुत्र हरिराम, निवासी बाय, थाना नवलगढ़, जिला झुंझुनूं तथा दूसरे ने अपना नाम मनीष पण्डित (22), पुत्र गोपाल प्रसाद, निवासी इकलेहरा, थाना डीग सदर, जिला डीग बताया। पुलिस ने दोनों की तलाशी ली तो उनके कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो देशी कट्टे, दो मैगजीन और कुल 13 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने हथियार और कारतूस जब्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपियों से हथियारों के संबंध में पूछताछ करने के साथ ही मामले में आगे का अनुसंधान कर रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी कपिल उर्फ कपिल पण्डित बाय गांव के सरपंच पर जानलेवा हमले के मामले में मुख्य वांछित आरोपी है। उसकी गिरफ्तारी पर 20 हजार रूपये का इनाम घोषित था। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी लूट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट सहित 11 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस उसे सक्रिय अपराधी बता रही है। आगामी पंचायती राज चुनावों को देखते हुए वांछित अपराधियों की धरपकड़ और अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई के क्रम में इस गिरफ्तारी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कार्रवाई में सिंघाना थाना पुलिस की ओर से थानाधिकारी सुगन सिंह, कांस्टेबल अमित कुमार , आरटी कांस्टेबल योगेश तथा चालक कांस्टेबल भूपेन्द्र शामिल रहे।

नर्सिंग ऑफिसर के घर मिली लाखो की सरकारी दवाइयां

- गोदाम से नशीली टेबलेट और इंजेक्शन मिले; दो साल से कर रहा था चोरी

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में जिलेभर में चलाये जा रहे नशा मुक्त अभियान के तहत वृत्ताधिकारी मृत्युन्जय मिश्रा के सुपरविजन एवं कोतवाली थानाधिकारी भवरलाल वैष्णव के नेतृत्व में गठित थाना टीम व जिला स्पेशल टीम टोंक द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए कोतवाली क्षेत्र से प्रतिबन्धित नशीले दवाईया बेचते हुए सआदत अस्पताल टोक के मेल नर्स अकबर खान मंसूरी पुत्र अय्युब खांन उम्र 35 साल को गिरफ्तार किया जाकर कब्जे से 47 हजार 270 रूपये नगद राशी व बडी मात्रा मे नशीले दवाईयां जप्त की गई है। उन दवाईयो मे से कुछ दवाईया सरकारी सआदत अस्पताल के सरकारी कोठे की दवाईया होना बताया गया है। मामले मे आरोपी के ख्लिाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

थानाधिकारी कोतवाली ने बताया कि डीएसटी व थाना कोतवाली टीम ने सआदत अस्पताल के जिला हॉस्पिटल का नर्सिंग ऑफिसर के घर पर शनिवार रात्रि को दबिश देकर सरकारी हॉस्पिटल की दवाइयां एवं 47 हजार रुपए और मोबाइल जब्त किया हैं। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी नर्सिंग ऑफिसर अकबर खान जो अपने घर पर अवैध रूप से मेडिकल स्टोर खोल रखा है, नौकरी की आड़ में हॉस्पिटल से ढाई साल से दवाइयां चोरी कर बेच रहा था। कोतवाली थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के साथ सरकारी दवाइयों की चोरी और अवैध बिक्री से जुड़ी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लिया है, मामले की जांच पुरानी टोंक थाने को दी है।

जिला स्पेशल टीम प्रभारी ने बताया कि अकबर खान के घर से 600 अल्प्राजोलम टैबलेट, 355 ट्रामाडोल इंजेक्शन और 200 एविल इंजेक्शन बरामद किए गए, ये सर्जिकल वार्ड के सर्जरी वाले पेसेंट को डॉक्टर द्वारा लिखने पर ही दी जाती है। इसके अलावा 500 डेक्सामेथासोन, 500 रैनिटिडिन, 300 एमिकासिन, 210 सेफोपेराजोन, 200 डिक्लोफेनाक और 150 सेफ्टिएक्सोन इंजेक्शन भी जब्त किए गए। मौके से जिनोसिन, मेरोपेनम, जेंटामाइसिन और हाइड्रोकार्टिसोन जैसे अन्य कीमती इंजेक्शन भी सैकड़ों की संख्या में मिले। पुलिस ने भारी मात्रा में सरकारी उपयोग की सर्जिकल सामग्री भी जब्त की है। इसमें 3,500 से अधिक सिरिंज, कैनुला के पैकेट और अन्य कैप्सूल शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद दवाइयों और सामग्री की कीमत लाखों रुपए है।

वही सआदत हॉस्पिटल के पीएमओ डॉ. प्रतीक सालोदिया ने बताया कि मामले की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है, पुलिस या अन्य सरकारी एजेंसी से अधिकृत जानकारी मिलने के बाद हॉस्पिटल के मेडिसिन स्टोर के स्टॉक की जांच कराई जाएगी। अस्पताल के मेडिसिन स्टोर से दवाइयां बाहर ले जाकर बिना डॉक्टर की सलाह से बेचा जा रहा था। नियमानुसार जांच कराने के बाद नर्सिंग ऑफिसर के खिलाफ कार्यवाही के लिए उच्च अधिकारियों को लिखा जाएगा।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि अस्पताल के मुख्य मेडिसिन स्टोर से इतनी बड़ी मात्रा में दवाइयां बाहर कैसे पहुंचीं। पुलिस को आशंका है कि इस मामले में हॉस्पिटल के कुछ अन्य कर्मचारी या डॉक्टर भी शामिल हो सकते हैं। मोबाइल की कॉल डिटेल के जरिए उन लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है, जिन्हें ये दवाइयां बेची जानी थीं। पुलिस अवैध मेडिकल स्टोर संचालकों और नशा तस्करों से जुड़े संभावित संपर्कों की भी जांच कर रही है।

डूंगरपुर एसबीपी कॉलेज के समक्ष मध्यरात्रि में हुई दुर्घटना में क्षतिग्रस्त ट्रोला

डूंगरपुर, (निसं)। शहर में एसबीपी कॉलेज के पास शनिवार रात बांसवाडा से चारा लेकर आ रहा एक ट्रक आगे चल रहे ट्रॉले से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और ड्राइवर केबिन में ही फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुरक्षित बाहर निकालकर जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

मामले के अनुसार ट्रक ड्राइवर गुजरात भुज निवासी वरधा भूसे से भरा ट्रक लेकर बांसवाड़ा से भुज जा रहा था। इस दौरान डूंगरपुर शहर से गुजरते समय ट्रक एसबीपी कॉलेज के पास आगे जा रहे ट्रॉले से जा टकराया। हादसे में ट्रक ड्राइवर केबिन में बुरी तरह फंस गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस का जाप्ता तुरंत मौके पर पहुंचा। वही मौके पर मौजूद स्थानीय युवकों ने साहस और सूझबूझ का परिचय दिया। युवकों ने बिना समय गंवाए जेसीबी और कटर मशीन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त ट्रक के केबिन और सीट को काटा। लगभग 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ड्राइवर को बाहर निकाला जा सका। इसके बाद 108 एम्बुलेंस के ईएमटी रॉयल जैन ने तत्परता दिखाते हुए गंभीर रूप से घायल ड्राइवर को तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है।

दिल्ली से भरतपुर लाई गई मां राजराजेश्वरी, महाराजा जवाहर सिंह से जुड़ा है प्राचीन मंदिर का इतिहास

भरतपुर (निसं)। शारदीय नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। घरों से लेकर मंदिरों तक मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की जा रही है। शहर के खिरनी घाट स्थित प्राचीन राजराजेश्वरी देवी मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि इस मंदिर का इतिहास भरतपुर रियासत के महाराजा जवाहर सिंह से जुड़ा हुआ है। पुजारी के अनुसार, महाराजा जवाहर सिंह मां की प्रतिमा को दिल्ली से भरतपुर लेकर आए थे और यहां उनकी स्थापना करवाई थी। नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा के साथ मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए हैं।

- नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा के साथ मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए है



शारदीय नवरात्रि प्राचीन राजराजेश्वरी देवी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की ।

दिल्ली विजय की ऐतिहासिक गाथा और भरतपुर रियासत की धार्मिक परंपराओं से जुड़ा खिरनी घाट स्थित प्राचीन राजराजेश्वरी देवी मंदिर शारदीय नवरात्रि के अवसर पर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। नवरात्रि के पहले दिन रविवार सुबह से ही मंदिर में भक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। श्रद्धालुओं ने मां राजराजेश्वरी के दरबार में धोक लगाकर परिवार की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर के पुजारी अजय भारद्वाज के अनुसार, मां राजराजेश्वरी का इतिहास काफी प्राचीन है। धार्मिक मान्यता और मंदिर से जुड़ी जनश्रुतियों के अनुसार, मां पृथ्वीराज चौहान की इष्ट देवी मानी जाती थीं। बताया जाता है कि भरतपुर के महाराजा जवाहर सिंह जब दिल्ली विजय के बाद लौटे, तो मां की प्रतिमा को अपने साथ भरतपुर लेकर आए थे। इसके बाद यहां मां की स्थापना की गई और तभी से यह मंदिर शक्ति उपासना का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। पुजारी अजय भारद्वाज ने मंदिर से जुड़ी मान्यता का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रचलित कथा के अनुसार, मां की प्रतिमा एक संदूक में रखी हुई थी। महाराजा जवाहर सिंह को इस सन्दूक के बारे में जानकारी मिली तो उन्हें लगा कि इसमें कोई खजाना हो सकता है। मान्यता है कि इसी दौरान मां ने महाराजा को स्वप्न में दर्शन देकर सन्दूक से बाहर निकालने का संकेत दिया। इसके बाद महाराजा ने सुबह सभा में अपने स्वप्न का जिक्र किया। जब पेटिका को खोलकर देखा गया तो उसमें मां की प्रतिमा निकली। इसके बाद महाराजा जवाहर सिंह मां की प्रतिमा को भरतपुर लेकर आए और यहां स्थापित करवाया। मंदिर के पुजारी के अनुसार, इसी परंपरा के चलते यह स्थान आज भी श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र है। मंगला आरती से शुरू होती है पूजा, पंचामृत से होता है अभिषेक मंदिर में प्रतिदिन सुबह पांच बजे मंगला आरती की जाती है। इसके बाद सुबह छह बजे मां राजराजेश्वरी का दूध, दही, शहद, घी और बूरा से अभिषेक किया जाता है। पुजारी अजय भारद्वाज के अनुसार, नवरात्रि की प्रतिपदा से लेकर पूर्णिमा तक अभिषेक की यह परंपरा लगातार निभाई जाती है।

21 साल की युवती व 30 साल की महिला लापता

सीकर । जिले में 21 साल की युवती और 30 साल की महिला के लापता होने का मामला सामने आया है। युवती रात को अपने परिवार के साथ सोई थी जो सुबह नहीं मिली। वहीं 30 साल की महिला सुबह के समय घर से बिना बताए कहीं पर चली गई। अब दोनों की पुलिस तलाश कर रही है। 21 साल की युवती के लापता होने के केस में उसके घरवालों ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी बेटी 9 सितंबर की रात उनके साथ ही सो रही थी। 10 सितंबर की सुबह जब उठकर देखा तो बेटी घर पर नहीं मिली। बेटी के पास एक मोबाइल था वह भी घर पर नहीं है। इसके बाद बेटी की आस-पड़ोस में काफी तलाश की गई। लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। परिवार ने एक युवक पर शक जताया है। वहीं 30 साल की महिला के लापता होने के केस में उसकी मां ने पुलिस में शिकायत देकर बताया कि उनकी बेटी अपने ससुराल से पीहर आई हुई थी। जो 2 दिन पहले सुबह के समय घर से बिना बताए कहीं पर चली गई।

11 साल से फरार आजीवन कारावास का दंडित अपराधी देवीसिंह बिसाऊ में डिटेन

झुंझुनूं/बिसाऊ। पंचायती राज चुनाव के मद्देनजर वांछित अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिसाऊ थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काटते समय जेल से फरार हुए दंडित अपराधी देवीसिंह को डिटेन किया है।

करीब 11 वर्ष पहले जेल से फरार हुए देवीसिंह को स्थायी गिरफ्तारी वारंट के तहत पकड़ा गया। आवश्यक पूछताछ के बाद उसे झुंझुनूं के कोतवाली थाना पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, देवीसिंह पुत्र शीशपाल निवासी महनसर, हाल बिसाऊ को वर्ष 2007 में हत्या के एक प्रकरण में आजीवन कारावास की सजा हुई थी। सजा काटने के दौरान वह झुंझुनूं जेल से फरार हो गया था। इसके बाद उसके खिलाफ कोतवाली थाना झुंझुनूं में दर्ज प्रकरण में स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी था। बस स्टैंड पर खड़ा मिला, पूछताछ में हुई पहचान - पुलिस कार्रवाई के अनुसार , 11 अक्टूबर को बिसाऊ थानाधिकारी उमाशंकर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम गश्त पर थी।

लाखों की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

सीकर । बीएड कराने के नाम पर युवाओं से लाखों की ठगी करने वाले आरोपी को आज गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली थाना पुलिस ने जयपुर रेंज आईजी टीम से मिलकर यह कार्रवाई की। पुलिस आरोपी को शनिवार शाम देहरादून से सीकर लेकर पहुंची। आरोपी 18 साल से देश की बड़ी कोचिंगों में पढ़ाकर फरारी काट रहा था।

गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी ने अपने परिवार और रिश्तेदारों से कांटेक्ट करना बंद कर दिया था। फरारी के दौरान ही देहरादून में मकान खरीद लिया। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।

कोतवाली थाना सुनील कुमार जांगिड़ ने बताया कि आरोपी कल्याण सिंह (56) पुत्र भूर सिंह निवासी बोरटा, जालोर को देहरादून में प्रेमनगर स्थित उसके मकान पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

आरोपी को पकड़ने के लिए कोतवाली पुलिस और जयपुर रेंज आईजी ऑफिस की टीम ने एयरटेल फाइबर टेक्नीशियन बनकर उसके घर पर दबिश दी और उसे पकड़ लिया। आरोपी कल्याण 18 साल से फरार चल रहा था। कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर दिया था और उस पर 35 हजार रुपए का इनाम भी घोषित किया गया था।दरअसल आरोपी कल्याण सिंह अपने साथी विकास सक्सेना के साथ 2007-08 में अशोक विहार में जनरल एजुकेशन सेंटर नाम से प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग चलाता था। जहां वह युवाओं को , सरकारी टीचर की तैयारी करवाता था। राजस्थान में उस समय सरकारी टीचर की भर्ती निकली थी। परीक्षा में शामिल होने के लिए बीएड की डिग्री होना जरूरी थी। आरोपी कल्याण और उसका साथी विकास अपने यहां पढ़ने वाले स्टूडेंट्स से पैसे लेकर उन्हें नोएडा, गाजियाबाद से बीएड करवाते थे। दोनों आरोपियों ने करीब 30 स्टूडेंट्स से 70-80 हजार रुपए प्रति स्टूडेंट के हिसाब से लाखों रुपए ले लिए।

गांवों में जुड़ने लगी चौपाल, योग्य सरपंच उम्मीदवार की तलाश

- माचडी-अलापुर पंचायत में आधा दर्जन से ज्यादा सरपंच प्रत्याशी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है

अलवर। पंचायत चुनावों में अभी सरगर्मी तेज नही हुई है सरपंच प्रत्याशी अभी गांवों में अपने लिए समर्थन बनाते हुए चुनाव लड़ने की तैयारी में है। माचडी-अलापुन पंचायत में प्रत्याशियों की दौड धूप शुरू हो चुकी है । करीब आधा दर्जन से ज्यादा उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरने की फिराग में है और गांवों में अपने समर्थक ढूड रहे है। माचडी-अलापुर पंचायत में आधा दर्जन से ज्यादा सरपंच प्रत्याशी चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे है और अपना समीकरण बना रहे है गांवों की पंचायत जुड रही है कुछ उम्मीदवार ठाामीणों के फैसले के बाद चुनावी रणनीति से बाहर भी हो सकते है। फिलहाल यहां समाज सेवी जसवंत यादव का मुकाबला युवा ताहिर खान के बीच बनता नजर आ रहा है। इस मुकाबले में जहां जसवंत सिंह यादव उम्रदराज और अनुभवी के साथ-साथ क्षेत्र के प्रसिद्ध समाज सेवी है उन्होंने हर क्षेत्र में ग्रामवासियों की मदद की है वे हर समय ग्रामीणों के दुख सुख में शामिल रहे है उन्हें सर्व समाज का समर्थन प्राप्त है। जिसका फायदा उन्हें इस चुनाव में मिल सकता है। वही ताहिर खान युवा और जोशिले है उन्हें मेव समाज का पूर्ण समर्थन प्राप्त है। दोनों की उम्मीदवारों ने गांव की समस्या को दूर करने का वायदा ग्रामीणों से किया है ग्रामीणों की प्रमुख समस्या पानी, रोड लाईट और सफाई है जिसे पूरा करने के लिए दोनों ही भावी सरपंच ग्रामीणों से वायदा करने में लगे है वे क्षेत्र की मिडिल स्कूल को भी क्रमोन्नत कराना चाहते है ताकि गांव की बच्चियां गांव से दूर पढाई करने ना जाए। इधर नव सर्जित ठाम पंचायत टेहडपुर से जितेन्द्र कुमार चुनाव मैदान में उतरे है हलाकि उनके क्षेत्र में कई उम्मीदवार चुनाव मैदान में है लेकिन जब ग्रामीणों से पूछा गया तो ज्यादा से ज्यादा लोगों ने जितेन्द्र कुमार को ही सरपंच पद का प्रमुख दावेदार बताया है। ग्रामीणों ने बताया कि जितेन्द्र गांव की सभी समस्याओं को उठाने की काबिलियत रखता है और यहां स्कूल, बिजली, पानी, सफाई सहित अनेकों मूलभूत सुविधाओं का अभाव है जिन्हें कोई भी सरपंच अपने कार्यकाल में पूरा नही कर पाया है सडके टूटी हुई लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पडता है जिसके चलते ग्रामीणों ने जितेन्द्र कुमार पर अपना विश्वास जताया है।

गड़ीसर सरोवर सूखने की कगार पर, सैलानियों का नौकायन बंद

- जलस्तर घटने से पर्यटन कारोबार प्रभावित, झील को भरने के लिए ट्यूबवेल सहित अन्य विकल्पों पर विचार

जैसलमेर, (नि.सं.)। स्वर्णनगरी जैसलमेर की ऐतिहासिक पहचान और पर्यटकों के प्रमुख आकर्षणों में शामिल गड़ीसर सरोवर इन दिनों पानी की कमी से जूझ रहा है। मानसून में पर्याप्त बारिश नहीं होने और अक्टूबर में तेज गर्मी के चलते सरोवर का जलस्तर लगातार घट रहा है। स्थिति यह है कि कई स्थानों पर पानी के बजाय सूखी जमीन दिखाई देने लगी है। जलस्तर कम होने से सैलानियों का नौकायन बंद हो गया है, जिससे पर्यटन से जुड़े स्थानीय कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है।

गड़ीसर सरोवर में नौकायन, पानी के बीच स्थित छतरियों और मंदिरों का नजारा देशी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है। पर्यटन सीजन शुरू होने के साथ ही यहां सैलानियों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद रहती है, लेकिन सरोवर में पानी की कमी से पर्यटक निराश हो रहे हैं। इसका असर नौकायन संचालकों के साथ झील की पाल पर राजस्थानी गहने और श्रृंगार सामग्री बेचकर परिवार चलाने वाले दुकानदारों के कारोबार पर भी पड़ रहा है। गड़ीसर सरोवर को पूर्व में पाइपलाइन के माध्यम से इंदिरा गांधी नहर परियोजना से जोड़ा गया था, ताकि जरूरत पड़ने पर सरोवर में पानी पहुंचाया जा सके। वर्तमान स्थिति को देखते हुए सरोवर को पाइपलाइन से भरने का सुझाव भी सामने आया है।

नगर परिषद सभापति विजय डांगरा के पदभार ठाहण समारोह में विधायक छोटूसिंह भाटी ने उपस्थित नगरवासियों के समक्ष गड़ीसर में पानी भरवाने का सुझाव रखा था।

उनके संबोधन से यह संदेश सामने आया कि सरोवर में पानी की कमी से जैसलमेर के पर्यटन व्यवसाय पर पड़ने वाले प्रभाव को लेकर चिंता है। अब इस दिशा में व्यावहारिक समाधान निकालने की जरूरत महसूस की जा रही है। सरोवर में पानी की उपलब्धता बनाए रखने के लिए नगर परिषद की ओर से चार ट्यूबवेल खुदवाकर पानी भरने की योजना तैयार किए जाने की जानकारी सामने आई है।

इसके साथ ही अन्य विकल्पों पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि, सरोवर को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने के लिए कौन-सा विकल्प कितना कारगर होगा, यह संबंधित विभागों की तकनीकी जांच और उपलब्ध जल संसाधनों पर निर्भर करेगा। स्थानीय लोगों को वर्ष 2002-03 में पड़े सूखे के दौरान बने हालात याद आने लगे हैं। गड़ीसर सरोवर केवल ऐतिहासिक धरोहर ही नहीं, बल्कि जैसलमेर के पर्यटन व्यवसाय से भी जुड़ा महत्वपूर्ण केंद्र है। सरोवर की रौनक बनी रहने से नौकायन संचालकों, दुकानदारों और पर्यटन गतिविधियों से जुड़े अन्य लोगों को रोजगार मिलता है।

ऐसे में गड़ीसर में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करना पर्यटन सीजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। अब लोगों की निगाहें नगर परिषद और संबंधित प्रशासनिक विभागों पर टिकी हैं कि सरोवर को राहत देने के लिए कौन-सा स्थायी और व्यावहारिक समाधान निकाला जाता है।

आयुक्त नगरपरिषद पवन कुमार ने बताया कि इस वर्ष बारिश कम होने से गड़ीसर सरोवर में पानी कम है। कलैक्टर अनुपमा जोरवाल से नगरपरिषद ने चार ट्यूबवेल खुदवाने के लिए निवेदन किया है। नगरपरिषद भी सीएसआर फंड से चार ट्यूबवेल खुदवा कर गड़ीसर सरोवर को भरने की योजना बना रही है ताकि सैलानियों को नौकायन की सुविधा मिल सके।

बाघ-108 के चेहरे के पास दिखे चोट के निशान, वन विभाग की लगातार निगरानी जारी

सवाई माधोपुर, (निसं)। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में बाघ -108 के चेहरे के पास चोट के निशान देखे गए हैं। प्रारंभिक आकलन के अनुसार, किसी अन्य नर बाघ के साथ क्षेत्रीय वर्चस्व को लेकर हुए संघर्ष की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

मानस सिंह ने बताया कि वन विभाग द्वारा बाघ -108 की गतिविधियों एवं स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जा रही है। पशु चिकित्सा टीम भी बाघ की स्थिति पर निरंतर नजर रख रही है तथा उसके स्वास्थ्य का आकलन किया जा रहा है।

वन विभाग की फील्ड टीम क्षेत्र में सतत निगरानी बनाए हुए है तथा उसके मूवमेंट को कर रही है ट्रैक।

वन विभाग द्वारा वन्यजीवों की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है। वन्यजीवों का संरक्षण एवं उनकी सुरक्षा वन विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है।



पशु चिकित्सा टीम भी बाघ की स्थिति पर निरंतर नजर रख रही है तथा उसके स्वास्थ्य का आकलन किया जा रहा है।